PCSMANTRA.COM

रोग-रोकथाम की पहली पंक्ति: पानी, स्वच्छता और टीकाकरण

समाचार-संदर्भ: 2026-11-17 | **प्रकाशन:** 17 नवंबर 2026
मुख्य परीक्षा: GS-II: स्वास्थ्य; GS-III: जल और स्वच्छता
प्रिलिम्स: अवधारणाएं और कथन-आधारित अभ्यास



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

यह भी पढ़ें: ऊर्जा-परिवर्तन की चुनौती: क्षमता की दौड़, उत्पादन की हक़ीक़त

खबरों में क्यों

पोलियो उन्मूलन के अंतिम चरण और दिसंबर 2026 के संयुक्त राष्ट्र जल सम्मेलन से पहले सुरक्षित पानी तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य के संबंध पर चर्चा बढ़ी है। मूल विचार सरल है: टीका किसी खास बीमारी से बचाव देता है, जबकि सुरक्षित जल, स्वच्छता और साफ-सफाई संक्रमण फैलाने वाली परिस्थितियों को कम करते हैं। दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं, विकल्प नहीं।

पानी स्वास्थ्य अवसंरचना क्यों है?

WASH का अर्थ है जल, स्वच्छता और साफ-सफाई। इसका स्वास्थ्य पर प्रभाव केवल पानी पीने तक सीमित नहीं है। मल का सुरक्षित प्रबंधन, हाथ धोने की सुविधा और स्वास्थ्य केंद्रों में स्वच्छता संक्रमण की कड़ी तोड़ने में सहायता करते हैं।

WHO की 2026-2035 रणनीति के अनुसार असुरक्षित WASH से हर वर्ष कम-से-कम 14 लाख रोकी जा सकने वाली मौतें जुड़ी हैं। यह सभी बीमारियों के केवल पानी से फैलने का दावा नहीं है। यह सुरक्षित सेवाओं को उपचार के साथ रोकथाम का भी विषय बनाता है।

पोलियो का उदाहरण

WHO के अनुसार पोलियो वायरस मुख्यतः मल-मुख मार्ग से फैलता है; दूषित पानी या भोजन भी माध्यम हो सकते हैं। वायरस आंत में बढ़ सकता है और तंत्रिका तंत्र को प्रभावित कर पक्षाघात उत्पन्न कर सकता है। पोलियो का उपचार नहीं है, लेकिन टीकाकरण से बचाव संभव है।

इसलिए सुरक्षित पानी को टीके का विकल्प बताना गलत होगा। टीकाकरण संवेदनशील लोगों को सुरक्षा देता है; स्वच्छता संक्रमण फैलने के अवसर कम करती है। निगरानी से वायरस की मौजूदगी और कार्यक्रम की कमियों को पहचानने में सहायता मिलती है।

नीति की चुनौती: निर्माण से नियमित सेवा तक

कार्यक्षमता: नल, शौचालय या संयंत्र बनना और उनका लगातार सुरक्षित सेवा देना अलग बातें हैं।

रखरखाव: जल-गुणवत्ता जांच, प्रशिक्षित कर्मचारी, मरम्मत और परिचालन का धन जरूरी है।

समान पहुंच: कठिन क्षेत्रों और वंचित बस्तियों तक सेवा न पहुंचे तो औसत उपलब्धि संक्रमण की स्थानीय कमजोरियों को छिपा सकती है।

समन्वय: स्वास्थ्य, जलापूर्ति और स्थानीय निकायों की योजना को साथ जोड़ना चाहिए।

जल सम्मेलन का संदर्भ

संयुक्त राष्ट्र के वर्तमान आयोजन पृष्ठ के अनुसार UAE और सेनेगल की सह-मेजबानी वाला 2026 जल सम्मेलन अबू धाबी में 8-10 दिसंबर 2026 को निर्धारित है। इसका केंद्र SDG 6, अर्थात सभी के लिए जल और स्वच्छता की उपलब्धता तथा टिकाऊ प्रबंधन, है। सम्मेलन को केवल नई घोषणाओं के बजाय सेवा-गुणवत्ता और जवाबदेही पर ध्यान देना चाहिए।

आगे की राह

जल निवेश का मूल्यांकन पाइप की लंबाई से आगे बढ़कर सुरक्षित सेवा, निरंतरता और स्वास्थ्य-सुरक्षा से हो। टीकाकरण और रोग निगरानी मजबूत रखते हुए WASH को स्वास्थ्य नीति के भीतर रखा जाए। सुरक्षित पानी अनेक संक्रमण रोकने में सहायक है; अकेले उससे पूरी दुनिया के सभी रोग समाप्त होने का दावा उचित नहीं है।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. पोलियो और WASH के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन 1: पोलियो वायरस मुख्यतः मल-मुख मार्ग से फैल सकता है।

कथन 2: सुरक्षित पानी उपलब्ध होने पर पोलियो टीकाकरण अनावश्यक हो जाता है।

कथन 3: WASH में स्वच्छता और साफ-सफाई भी शामिल हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 1 और 3

(c) केवल 2 और 3

(d) 1, 2 और 3

▼ **उत्तर और व्याख्या**

सही उत्तर: (b)

कथन 1 सही है। WHO इस मार्ग को प्रमुख बताता है।

कथन 2 गलत है। सुरक्षित पानी टीकाकरण का विकल्प नहीं है।

कथन 3 सही है। WASH में Water, Sanitation and Hygiene शामिल हैं।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

सुरक्षित जल और स्वच्छता को सार्वजनिक स्वास्थ्य अवसंरचना का अंग क्यों माना जाना चाहिए? पोलियो के संदर्भ में समझाइए। (150 शब्द) (10 अंक)

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में: संक्रमण मार्ग

मुख्य भाग में: टीके और WASH की पूरकता; निरंतर सेवा, रखरखाव और निगरानी

निष्कर्ष में: स्थानीय निकाय-स्वास्थ्य विभाग समन्वय।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)

सुरक्षित पानी और स्वच्छता संक्रमण के अवसर घटाते हैं। पोलियो के विरुद्ध टीकाकरण और निगरानी के साथ उनकी भूमिका पूरक है।

WASH का क्या अर्थ है?

जल, स्वच्छता और साफ-सफाई।

क्या स्वच्छ पानी पोलियो टीके की जगह ले सकता है?

नहीं। दोनों का काम अलग और पूरक है।

2026 जल सम्मेलन के सह-मेजबान कौन हैं?

संयुक्त अरब अमीरात और सेनेगल। वर्तमान आयोजन पृष्ठ 8-10 दिसंबर, अबू धाबी बताता है।

PCSMANTRA.COM

स्रोत

- www.who.int
- www.who.int
- sdgs.un.org